भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं . 2397
07 अगस्त, 2026 को जवाब दिया

असम में हथकरघा क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण

2397. श्री जोगेन मोहनः

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) असम में हथकरघा क्षेत्र को सुदृढ़ करने हेतु की गई पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने हथकरघा बुनकरों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति का कोई आकलन करवाया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान विभिन्न केंद्रीय हथकरघा योजनाओं के अंतर्गत असम के लाभान्वित बुनकरों की योजना-वार संख्या कितनी है;

(घ) क्या सरकार ने नए सामान्य सुविधा केंद्र स्थापित किए हैं, विपणन सहायता प्रदान की है तथा हथकरघा बुनकरों हेतु अतिरिक्त वित्तीय सहायता का प्रस्ताव किया है; और

(ङ) पारंपरिक बुनकरों की आय में सुधार हेतु क्या कदम उठाए गए हैं तथा हथकरघा क्षेत्र में रोजगार पर इन उपायों के अपेक्षित प्रभाव का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (ङ): वस्त्र मंत्रालय असम सहित पूरे देश में बुनकरों और हथकरघा क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए निम्नलिखित योजनाएं/पहल कार्यान्वित कर रहा है: -

1. राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम
2. कच्चा माल आपूर्ति योजना

इन योजनाओं के तहत, पात्र हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को कच्चा माल, बेहतर करघे और सहायक उपकरण की खरीद, सोलर लाइटिंग यूनिट, वर्कशेड के निर्माण, कौशल विकास, उत्पाद और डिज़ाइन विकास, तकनीकी और सामान्य अवसंरचना, मार्केटिंग, बुनकर मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण, सामाजिक सुरक्षा, विकट परिस्थितियों

में पुरस्कार विजेता बुनकरों को भुगतान, बुनकरों के बच्चों को छात्रवृत्ति आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

पिछले 3 वर्षों के दौरान असम राज्य में पारंपरिक बुनकरों को दी गई केंद्रीय सहायता का ब्यौरा इस प्रकार है:-

(i) क्लस्टर विकास कार्यक्रम के तहत, 19 हथकरघा क्लस्टरों को 17.68 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई और सहायता प्राप्त क्लस्टरों के अलावा विभिन्न इंटरवेंशन्स के लिए 1,096 बुनकरों को लाभान्वित करते हुए बेहतर करघे/सहायक उपकरण, वर्कशेड और लाइटिंग यूनिट्स प्रदान किए गए। साथ ही, 1758 हथकरघा कामगारों को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

(ii) कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) के तहत, परिवहन सब्सिडी और मूल्य सब्सिडी के तहत 42,233 हथकरघा बुनकरों को लाभान्वित करते हुए 5.25 लाख किलोग्राम यार्न की आपूर्ति की गई।

(iii) हथकरघा मार्केटिंग सहायता के तहत, हथकरघा उत्पादों हेतु बिक्री की सुविधा प्रदान करने और उसे बढ़ावा देने के लिए 54 मार्केटिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वर्ष 2023-24 में असम के सुआलकुची में एक मेगा हैंडलूम क्लस्टर को मंज़ूरी दी गई, जिसमें भारत सरकार का हिस्सा 29.85 करोड़ रुपये था और 30.06.2026 तक 14.71 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। साथ ही, असम के डिब्रूगढ़ में नॉर्थ ईस्ट स्कूल ऑफ़ हैंडलूम एंटरप्रेन्योरशिप (एनईएसएचई) के विकास के लिए एक प्रोजेक्ट को मंज़ूरी दी गई है। यह प्रोजेक्ट स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के तहत नेशनल हैंडलूम डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एनएचडीसी) लिमिटेड द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है और इसकी लागत 497.25 लाख रुपये है, जिसमें भारत सरकार का हिस्सा 100% है।

इसके अलावा, 'सिल्क समग्र-2' योजना के तहत असम सहित पूरे देश में रेशम बुनकरों को विभिन्न घटकों जैसे क्षेत्र-विशेष रेशम हथकरघे, ट्विस्टिंग यूनिट, इलेक्ट्रॉनिक जैकार्ड, मौजूदा करघों को अपग्रेड करने के लिए उपकरण, वाइंडिंग मशीन, वॉर्पिंग मशीन, कंप्यूटर एडेड टेक्सटाइल डिजाइनिंग (सीएटीडी) यूनिट, न्यूमेटिक लिफ्टिंग मैकेनिज्म (पीएलएम) यूनिट आदि के लिए सहायता प्रदान की जाती है। असम सरकार के प्रस्तावों के आधार पर, 'सिल्क समग्र-2' योजना के तहत 76 मॉडिफाइड रीजन-स्पेसिफिक सिल्क हैंडलूम के लिए 25.83 लाख रुपये और 8 कंप्यूटर एडेड टेक्सटाइल डिजाइनिंग (सीएटीडी) यूनिट्स के लिए 16.96 लाख रुपये की केंद्रीय सहायता प्रदान की गई।

*****